14XJ41C

संकलित परीक्षा - I (2014)
हिन्दी 'ब'
कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न–पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड क
(अपठित बोध)

1 **प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

सत्संग से हमारा अभिप्राय उत्तम प्रकृति के व्यक्तियों की संगति से है। मानव मन में श्रेष्ठ एवं गर्हित भावनाएं मिश्रित रूप से विद्‌यमान रहती हैं। कुछ व्यक्ति सहज सुलभ सद्‌गुणों की उपेक्षा करके कुमार्ग का अनुगमन करते हैं। उनकी संगति प्रत्येक के लिए भयंकर सिद्ध होती है। व न केवल अपना ही विनाश करते हैं, अपितु अपने साथ रहने तथा वार्तालाप करने वालों के जीवन और चरित्र को भी पतन अथवा विनाश के गर्त की ओर उन्मुख करते हैं। अतः ऐसे व्यक्तियों की संगति से सदैव बचना चाहिए। विश्व में प्रायः ऐसे मनुष्य ही अधिक हैं जो उत्कृष्ट और निकृष्ट दोनों प्रकार की मनोवृतियों से युक्त होते हैं। उनका साथ यदि किसी के लिए लाभ प्रद नहीं होता तो हानिकारक भी नहीं होता। इसके अतिरिक्त तृतीय प्रकार के मनुष्य वे हैं जो गर्हित भावनाओं का दमन करके केवल उत्कृष्ट गुणों का विकास करते हैं। ऐसे व्यक्ति निश्चय ही महान प्रतिभा–सम्पन्न होते हैं। उनकी संगति प्रत्येक व्यक्ति में उत्कृष्ट गुणों का संचार करती है। उन्हीं की संगति को सत्संग के नाम से पुकारा जाता है।

(क) सत्संग से लेखक का अभिप्राय है–

(i) सामान्य व्यक्तियों की संगति। (ii) उत्तम प्रकृति के व्यक्तियों की संगति। (iii) श्रेष्ठ व्यक्तियों की संगति। (iv) महापुरुषों की संगति।

(ख) मानव मन में विद्‌मान रहती हैं –

(i) श्रेष्ठ भावनाएं। (ii) गर्हित भावनाएं।

(iii) श्रेष्ठ और गर्हित भावनाएं। (iv) दुर्भावनाएँ।

(ग) कुमार्ग का अनुगमन करने वाले लोग विनाश करते हैं–

(i) अपने साथ–साथ अपने से वार्तालाप करनेवालों का भी।

(ii) सिर्फ अपना।

(iii) अपने साथ वार्तालाप करने वालों का।

(iv) अपने मित्र का।

(घ) महान प्रतिभा सम्पन्न व्यक्ति वे हैं जो, –

(i) गर्हित भावनाओं का दमन कर श्रेष्ठ भावनाओं का विकास करते हैं।

(ii) श्रेष्ठ भावनाओं का दमन कर गर्हित भावनाओं का विकास करते हैं।

(iii) श्रेष्ठ और गर्हित भावनाओं का दमन करते हैं।

(iv) श्रेष्ठ और गर्हित भावनाओं का विकास करते हैं।

(ङ) प्रतिभा सम्पन्न व्यक्तियों की संगति प्रत्येक व्यक्ति में संचार करती है –

(i) उत्कृष्ट गुणों का। (ii) निकृष्ट गुणों का।

(iii) उत्कृष्ट और निकृष्ट गुणों का। (iv) सामान्य गुणों का।

2 **निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** 5

मालवीय जी के नाम का विशेषण 'महामना' अपने–आप में उनके व्यक्तित्व के अनेक पहलुओं को स्पष्ट कर देता है। उनका मन अत्यंत विशाल था, जिसमें सभी के लिए, विशेषकर गरीबों के लिए, शोषितों के लिए अतिरिक्त स्थान था। बापू ने अपनी 'आत्मकथा' में मालवीय जी को 'भारतभूषण' कहते हुए उनके कमरे को 'गरीबों की धर्मशाला' कहा है। उनके व्यक्तित्व में मालवा की मिट्टी की रसमयता थी। विशालता और रसमयता दो ऐसे गुण उनमें थे, जो उन्हें अपने समय के अन्य महापुरुषों से अलग करते हैं। बापू ने उनके व्यक्तित्व का विश्लेषण अपनी आलंकारिक शैली में अच्छे ढंग से किया है। उन्होंने लिखा है कि ''जब मैं अपने देश में कार्य करने के लिए आया, तो पहले लोकमान्य तिलक के पास गया। वे मझे हिमालय से ऊँचे लगे। मैंने सोचा, हिमालय पर चढ़ना मेरे लिए संभव नहीं है। फिर मैं श्री गोखले के पास गया। वे मुझे सागर के समान गहरे लगे। मुझे लगा कि मेरे लिए इतनी गहराई में पैठना संभव नहीं है। अंत में, मैं मालवीय जी के पास गया। मुझे वे जल की स्फटिक निर्मल धारा के समान लगे और मैंने उस पवित्र धारा में गोता लगाने का निश्चय किया।'' मैं समझता हूँ कि मालवीय जी के चिंतन और व्यवहार को स्पष्ट करने के लिए 'गंगा की धारा' से अच्छी कोई दूसरी उपमा नहीं हो सकती।

(i) महामना मालवीय जी अन्य नेताओं से भिन्न क्यों थे?

(क) गांधीजी के साथी होने के कारण

(ख) विशालता और रसमयता के कारण

(ग) सच्चे और अच्छे होने के कारण

(घ) अपनी साधुता और सादगी के कारण

(ii) लोकमान्य तिलक से महात्मा गाँधी की मित्रता क्यों नहीं हो सकी?

(क) तिलक साधारण थे (ख) तिलक असाधारण थे

(ग) तिलक उच्च कोटि के थे (घ) तिलक दार्शनिक थे

(iii) गोखले की अपेक्षा मालवीय जी ने गाँधी को क्यों प्रभावित किया?

(क) गोखले की असाधारण गंभीरता

(ख) मालवीय जी की पवित्रता

(ग) उतने ऊपर उठना संभव नहीं

(घ) मालवीय की पवित्रता में सादगी

(iv) 'स्फटिक' शब्द का अर्थ है :

(क) फटने वाला (ख) फटकने वाला

(ग) संगमरमर (घ) शिला

(v) 'पवित्रधारा' में पवित्र शब्द व्याकरण की दृष्टि से है :

(क) संज्ञा (ख) विशेषण

(ग) क्रिया (घ) क्रियाविशेषण

3 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गये प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए।** 5

देखा आँगन के कोने में कई नवागत

छोटी–छोटी छाता ताने खड़े हुए हैं।
छाता कहूँ या विजय पताकाएँ जीवन की
या हथेलियाँ खोले थे वे नन्हीं, प्यारी–
जो भी हो, वे हरे–भरे उल्लास से भरे
पंख मारकर उड़ने को उत्सुक लगते थे,
डिंब तोड़कर निकले चिड़ियों के बच्चों से।
निर्निमेष, क्षण भर, मैं उनको रहा देखता
सहसा मुझे स्मरण हो आया, कुछ दिन पहले,
बीज सेम के रोपे थे मैंने आँगन में
और उन्हीं से बौने पौधों की यह पलटन
मेरी आँखों के सम्मुख अब खड़ी गर्व से
नन्हें नाटें पैर पटक, बढ़ती जाती हैं।

(i) काव्यांश में वर्णन है :

(क) सेम के अंकुरित पौधों का। (ख) सेम की फलियों का।

(ग) सेम के बीजों का । (घ) सेम की बेल और पत्तों का।

(ii) आँगन में उपजे नवागत दिखाई दे रहे थे :

(क) शांत (ख) उल्लास से भरे हुए

(ग) हरे–भरे (घ) चिंताग्रस्त

(iii) 'निर्निमेष' का अर्थ है :

(क) बिना पलक झपकाए। (ख) शांत और आँखें खोले।

(ग) फटी–फटी आँखों से । (घ) उनींदी आँखों से।

(iv) उन्हें देखकर कवि को याद आया कि :

(क) उसने पैसे बोए थे।

(ख) आँगन में सेम के बीज रोप दिए थे ।

(ग) सेम के बीज वहीं बिखेर दिए थे।

(घ) उससे सेम के कुछ बीज गिर गए थे।

(v) ''छोटी–छोटी छाता ताने'' में अलंकार है :

(क) श्लेष (ख) रूपक

(ग) अनुप्रास (घ) उपमा

4 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए —** 5

संकटों से वीर घबराते नहीं,
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।
लग गए जिस काम में, पूरा किया,
काम करके व्यर्थ घबराते नहीं।

हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,
कर्मवीरों को न इससे वास्ता।
बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़े चले,
कठिनतर गिरिश्रृंग ऊपर चढ़ चले।
कठिन पथ को देख मुस्काते सदा,
संकटों के बीच वे गाते सदा,
है असम्भव कुछ नहीं उनके लिए,
सरल-सम्भव कर दिखाते वे सदा।

(i) आपदा देखकर छिप जाने वाले वही होते हैं जो —

(क) कर्मवीर नहीं हैं। (ख) धर्मवीर हैं।

(ग) परोपकारी हैं। (घ) कुमार्गी हैं।

(ii) ''सरल-सम्भव कर दिखाते वे सदा।'' में अलंकार है —

(क) रूपक (ख) अनुप्रास (ग) श्लेष (घ) उपमा

(iii) कर्मवीरों को इस बात से कुछ लेना-देना नहीं होता कि, —

(क) लक्ष्य प्राप्ति कब होगी (ख) सफलता मिलेगी या नहीं

(ग) रास्ता कठिन है या सरल है (घ) कर्म करने की क्या विधि है

(iv) असम्भव को भी कर्मवीर सदा बनाया करते हैं, —

(क) कठिन (ख) सरल (ग) संभव (घ) जटिल

(v) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है —

(क) वीर (ख) परोपकारी (ग) कर्मवीर (घ) सेनानी

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 5

रेणु, विज्ञापित

(ख) सम्बोधन-में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर मानक रूप लिखिए।

(ग) चीटीं-में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कर शब्द को दोबारा लिखिए।

	(घ)	टेलीफोन – में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।	
6	(क)	निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए : (i) उत् +चारण (ii) सत् +भावना	4
	(ख)	निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए : (i) वाङ्मय (ii) संजय	
7	(क)	निम्नलिखित शब्द में से मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग को अलग-अलग कीजिए। उपकरण,	6
	(ख)	निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व प्रयुक्त प्रत्यय को अलग-अलग कीजिए। प्रतिष्ठित , द्रवित	
	(ग)	निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाकर लिखिए। (i) क्या मित्र के साथ ऐसा विश्वासघात ऐसा अन्याय तुम्हें शोभा देता ह (ii) हिमालय जैसे अटल अडिग भारतवासियों का मस्तक किसी के सामने झुकने वाला नहीं है कोई ऐसा उनसे लोहा लेने वाला हो तो बताओं (iii) माँ हँसकर अच्छा तो सब यहाँ बैठे हैं	
		खण्ड ग **(पाठ्य-पुस्तक)**	
		पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1)	
8(i)		एवरेस्ट शिखर पर पहुँचकर बचेन्द्री पाल ने स्वयं को किस प्रकार सुरक्षित रूप से स्थिर किया और उसके उपरान्त क्या किया?	2
(ii)		परचून की दुकान करने वाले लाला जी ने, 'दुख का अधिकार' कहानी की, खरबूजे बेचने वाली की क्या कहकर निंदा की?	2

	(iii)	हीरे के साथ धूल को भी सम्मान देना आवश्यक क्यों है?	1
	9	'तुम कब जाओगे – अतिथि' व्यंग्य लेख में चाँद पर जाने वाले एस्ट्रॉनाट्स का उल्लेख किस संदर्भ में हुआ है और क्यों?	5
	10	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2+2+1)** बाज़ार में, फुटपाथ पर कुछ खरबूज़े डलिया में और कुछ ज़मीन पर बिक्री के लिए रखे जान पड़ते थे। खरबूज़ों के समीप एक अधेड़ उम्र की औरत बैठी रो रही थी। खरबूज़े बिक्री के लिए थे, परंतु उन्हें खरीदने के लिए कोई कैसे आगे बढ़ता? खरबूज़ों को बेचनेवाली तो कपड़े से मुँह छिपाए सिर को घुटनों पर रखे फफक-फफककर रो रहो थी। (1) कोई खरबूज़े खरीदने आगे क्यों नहीं बढ़ता था? (2) खरबूज़े बेचने आकर भी भगवाना की माँ खरबूज़े क्यों नहीं बेच रही थी? (3) बुढ़िया फफक-फफककर क्यों रो रही थी?	5
		पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1)	
	11(i)	'आदमी नामा' कविता आदमी के स्वभाव के किन पक्षों को उजागर करती हैं? उदाहरण दीजिए।	2
	(ii)	अपने विशेष शौक को पूरा करने के लिए रहीम के अनुसार व्यक्ति क्या-क्या कर सकता है?	2
	(iii)	रैदास के अनुसार अस्पृश्यों के प्रति ईश्वर का क्या रवैय्या है?	1

	12	दोहे के छोटे आकार के महत्त्व को सिद्ध करने के लिए रहीम ने क्या कहा और इसके लिए नट की किस कला से उसकी तुलना की है?	5
	13	अधिकतर बच्चे झूठ भी नहीं बोलते और बेईमानी भी नहीं करते 'स्मृति' के आधार पर सोदाहरण सिद्ध कीजिए।	5
		खण्ड घ **(लेखन)**	
		दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर **किसी एक** विषय पर लगभग **80 से 100** शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।	
	14(i)	**वीर सिपाही की आत्मकथा** (क) परिचय और सिपाही के गुण (ख) किए गए कार्य और उद्देश्य (ग) जीवन मूल्य – और शिक्षा	5
	(ii)	**स्त्री-शिक्षा का महत्त्व ।** (क) शिक्षा का महत्त्व (ख) नारियों का समाज में स्थान (ग) नारी के अशिक्षित होने के परिणाम और सुझाव	5
	(iii)	**विद्यालय का हिन्दी दिवस समारोह** • हिन्दी दिवस मनाने का कारण • समारोह की रूपरेखा • हमारा योगदान	5
	15	अपनी बड़ी बहन की सगाई में सम्मिलित होने के लिए मित्र को निमंत्रण पत्र लिखिए।	5

	16	दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग **20-30** शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही संबद्ध होना चाहिए। 	5
	17	अपनी–अपनी महत्ता प्रदर्शित करते हुए वृक्ष तथा नदी के बीच होने वाले संवाद को अपने शब्दों में लिखिए।	5
	18	ट्रांसपोर्ट कम्पनी को एक कुशल ड्राईवर की आवश्यकता है। इसके लिए 20-25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।	5